states to shift import from India to other non-traditional countries. In this context certain allegations were made that India's system of control over opium cultivation and production was not food-proof and substantial leakages from licit production were taking place. These allegations were not supported by any documentary evidence. The Government has already conveyed to the US authorities information regarding the various steps taken to prevent diversion, illicit cultivation and drug trafficking in India. Intimation has been received that the US President has given such certification for the current year. There has been no threat by the United States to suspend its opium trade with India.

F.I.E.O's urge to remove the restriction from exporters

4509. SHRI KRISHNA KUMAR BIRLA: Will the Minister of COMMERCE be pleased to state:

(a) whether the Federation of Indian Export Organisations has urged Government to remove restrictions on exporters similar to FERA;

(b) if so, what is Government's reaction in this regard;

(c) whether it was the longstanding demand of the FIEO to provide concessions similar to FERA; and

(d) by when a decision is likely to be taken in this regard?

THE MINISTER OF STATE OF THE MINISTRY OF COMMERCE (SHRI P. CHIDAMBARAM): (a) No, Sir. No such representation has been received.

(b) to (d) Do not arise.

भारत के आयात और निर्यात की मात्रा

4510. **श्री राघवजी:** क्या **वाणिज्य** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) 1.4.1991 से 29.2.1992 के ग्यारह महीनों के दौरान भारत में कुल कितना आयात किया गया और भारत से कुल कितना निर्यात किया गया;

(ख) पिछले वित्तीय वर्ष की इसी अवधि के ग्यारह महीनों के दौरान कुल कितना आयात और निर्यात किया गया;

(ग) क्या चालू वर्ष के ग्यारह महीनों के दौरान निर्यात व्यापार में गिरावट आई है; और

(घ) यदि हां, तो इस के क्या कारण हैं?

वाणिज्य मंत्रालय के राज्य मंत्री (श्री पी० चिदम्बरम): (क) से (ग) मदों के मिश्रित समूह को देखते हुए कुल आयातों तथा निर्यातों के मात्रा के रूप में आंकड़े संकलित नहीं किए जाते हैं। आयातों तथा निर्यातों के मूल्य संबंधी आंकड़े अप्रैल-जनवरी, 1991-92 की अवधि के संबंध में उपलब्ध हैं। अनन्तिम प्राक्कलन के अनुसार अप्रैल-जनवरी, 1991-92 के दौरान भारत के आयात 38531 करोड़ रु० मूल्य के रहे जबकि अप्रैल-जनवरी, 1990-91 के दौरान 35890 करोड़ रु० के आयात हुए थे, इस प्रकार इसमें 7.4% की वृद्धि हुई। डालर के रूप में इस अवधि के दौरान 21.3% की गिरावट दर्ज की गई। अप्रैल-जनवरी, 1991-92 के दौरान सामान्य मुद्रा क्षेत्र को भारत के निर्यात 30914 करोड़ रु० मूल्य के रहे जबकि अप्रैल-जनवरी, 1990-91 के दौरान 21427 करोड़ रु० के निर्यात हुए। इस प्रकार इसमें 44.3% की वृद्धि हुई। डालर के रूप में सामान्य मुद्रा क्षेत्र को हुए निर्यातों में 5.7% की वृद्धि हुई। अप्रैल-जनवरी, 1991-92 के दौरान रुपया भुगतान क्षेत्र को भारत के निर्यात 3785 करोड़ रु० मूल्य के रहे जबकि अप्रैल-जनवरी, 1990-91 के दौरान 4809 करोड़ रु० मूल्य के निर्यात हुए थे, इस प्रकार इसमें 21.3% की गिरावट आई। डालर के रूप में रुपया भुगतान क्षेत्र को हुए निर्यातों में 42.3% की गिरावट आई।

(घ) रुपया भुगतान क्षेत्र के देशों को होने वाले निर्यातों में गिरावट के कारण मुख्यतः विदेशी है और इनमें वे राजनैतिक परिवर्तन भी शामिल हैं जो कि भूतपूर्व सोवियत संघ में हुए हैं। जिन अन्य कारकों की वजह से निर्यात वृद्धि प्रभावित हुई है उनमें शामिल है; विश्व अर्थव्यवस्था में मंदी, प्रमुख विकसित देशों में मंदी, अपरिहार्य आयात दबाव तथा निर्यात ऋण की उंची दर।

चमड़े की वस्तुओं का निर्यात

4511. **डा० जिनेन्द्र कुमार जैन:**
श्री राम जेठमलानी:

क्या **वाणिज्य** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) क्या सरकार का ध्यान 17 मार्च, 1992 के "दि हिन्दुस्तान टाइम्स" में "इटैलियन प्रपोजल फॉर फुटवियर इन्स्टीट्यूट" शीर्षक से प्रकाशित समाचार की ओर दिलाया गया है;

(ख) यदि हां, तो क्या यह सच है कि जूतों और चप्पलों के निर्माण में इटली की प्रौद्योगिकी के उपयोग से भारतीय चमड़ा उद्योग की वस्तुओं के निर्यात में वृद्धि होने की संभावना है;

(ग) उस प्रौद्योगिकी के उपयोग के निर्यात में कितनी वृद्धि होगी और प्रौद्योगिकी तथा डिजाइन के आयात पर अनुमानित कितना व्यय किया जायेगा;